बालिका विद्यापीठ लखीसराय (811311)

वर्ग - द्वितीय दिनांक - 17/07/2020

विषय - सह - शैक्षणिक कार्य

गर्मी के दिन थे , दोपहर के समय बहुत ही सख्त गर्मी पड़ रही थी । एक कौआ पानी की तलाश में इधर - उधर भटक रहा था । लेकिन उसे कहीं भी पानी नहीं मिला । अंत में थका हुआ वह एक बाग में पहुंचा । वह पेड़ की शाखा पर बैठा हुआ था कि अचानक उसकी नजर वृक्ष के नीचे पड़े एक घड़े पर गई । वह उड़कर घड़े के पास चला गया । वहां उसने देखा कि घड़े में थोड़ा पानी है वह पानी पीने के लिए नीचे झुका लेकिन उसकी चोंच पानी तक न पहुंच सकी । ऐसा इसलिए हो रहा था क्योंकि घड़े में पानी कम था । परंतु वह कौआ

हताश नहीं हुआ बल्कि पानी पीने के लिए उपाय सोचने लगा। तभी उसे उपाय सूझा उसने आस - पास के कंकड़ उठाकर घड़े में डालना शुरू किया । लगातार पानी में कंकर डालने से पानी ऊपर आ गया फिर उसने आराम से पानी पिया और उड़ गया।

इस कहानी से शिक्षा

बच्चों जहां चाह वहां राह होती है । कोवे को पानी की बहुत ज्यादा प्यास लगी थी । उसे पाने की बहुत आवश्यकता थी । जब उसे घड़े में पानी मिला तब वह उपाय ढूंढने लगा ।

हमें भी इस कहानी से जरूर सीखना चाहिए कि अगर हमें भी कुछ पाना है। या हमें भी सफल होना है । तो पहले हमारे अंदर यह सोच आनी चाहिए की हमें भी सफल होना है ।

अगर हम सफल होने के लिए अपने कदम बढ़ाएंगे तो हमें सफलता प्राप्त करने के रास्ते आसानी से मिलने लगेंगे । जहां चाह वहां राह और आवश्यकता ही हमेशा आविष्कार की जननी होती है ।

ज्योति